खबर संक्षेप

नाबालिग से दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार

शहडोल। जिले के जयसिंहनगर थाना अंतर्गत 18 अक्टूबर को अज्ञात व्यक्ति द्वारा 17 वर्षीय नाबालिग बालिका को बहला फुसलाकर भगा ले जाने की गुमशुदा रिपोर्ट परिजनों द्वारा दर्ज करायी गई थी। जिस पर जयसिंहनगर पुलिस द्वारा अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। जिसके उपरांत जयसिंहनगर पुलिस द्वारा परिजनों से महत्वपूर्ण जानकारी इक_ा कर पतासाजी की गई एवं सूचना मिलने पर दस्तयाबी हेतु तत्काल रवाना हुए। जिस पर 22 अक्टूबर को नाबालिग बालिका को थाना परिसर जयसिंहनगर से दस्तयाब कर सही सलामत परिजनों को सुपुर्द किया। दस्तयाबी उपरांत पीड़ित बालिका के कथन में आरोपी शिशुपाल उर्फ गोलू सिंह सेंगर पिता रामगोपाल सिंह सेंगर उम्र 22 वर्ष निवासी ग्राम मल्दा थाना गोहपारू द्वारा उसके साथ दुष्कर्म किया है। पीड़िता के कथन के आधार पर पुलिस द्वारा आरोपी गोलु सिंह सेंगर को 23 अक्टूबर को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय पेश किया गया। उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी निरीक्षक अजय कुमार बैगा के नेतृत्व में सहायक उपनिरीक्षक अनिल कुमार गौतम, आरक्षक रोहित यादव, धीरशाह सिंह, उदय भान सिंह, महिला आरक्षक खुशबू लोधी की भूमिका रही।

दो निकायों में साबित हुआ भ्रष्टाचार, अब धनपुरी में फिर वही कहानी

राज्य नगरीय सेवा की अधिकारी पूजा बुनकर पर पहले दो नगरपालिकाओं सिवनी और करेली में भारी भ्रष्टाचार के आरोप सिद्ध हो चुके हैं। दोनों जगह जांच में आरोप सही पाए जाने के बाद भी विभाग ने कार्रवाई नहीं की। अब धनपुरी नगर पालिका में भी उसी तरह की अनियमितताओं के संकेत मिलने लगे हैं, जिससे सवाल उठ रहा है, क्या इतिहास खुद को दोहराएगा?

शहडोल ।

राज्य नगरीय सेवा की अधिकारी पूजा बुनकर पर लगातार तीसरी बार भ्रष्टाचार के आरोप गहराए हैं। सिवनी और करेली नगरपालिकाओं में सीएमओ पद पर रहते हुए उन पर हाईमास्क व एलईडी लाइटों की खरीदी, मशीनों के भुगतान और बिना निविदा टेंडर के लाखों रुपये की अनियमितताओं के आरोप सिद्ध हो चुके हैं।

जांच में दोषी पाए जाने के बाद भी विभाग ने कार्रवाई नहीं की। अब जिले की धनपुरी नगर पालिका में उनके कार्यकाल के दौरान फिर से गड़बड़ी के संकेत मिले हैं, कर्मचारियों को पहले वर्दी बांटी गई और बाद में उसी की 8.72 लाख रुपये की निविदा जारी कर औपचारिकता निभाई गई। तीन नगरपालिकाओं में बार-बार सामने आ रहे भ्रष्टाचार के इन मामलों ने नगरीय प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। अब जरूरत है कि ईओडब्ल्यू इस पूरे प्रकरण की व्यापक जांच कर यह तय करे कि आखिर विभागीय संरक्षण में भ्रष्टाचार कब तक पनपता रहेगा।

सिवनी से शुरू हुई भ्रष्टाचार की गाथा

सिवनी में 2 जून 2022 से 1 मार्च 2023 तक सीएमओ पद पर रहते हुए पूजा बुनकर पर अनेक वित्तीय अनियमितताओं के आरोप सिद्ध हुए। जांच में पाया गया कि हाईमास्क लाइट की खरीदी में मनमानी कर करीब 5.80 लाख रुपये का नुकसान किया गया। एलईडी लाइट की खरीदी में भी 1.36 लाख रुपये का घाटा पहुंचाया गया। यही नहीं, 5000 किलो फिनोलिक पाउडर की खरीदी बिना निविदा प्रक्रिया के की गई। विभागीय जांच में यह सभी आरोप सही पाए गए, बावजूद इसके कार्रवाई के बजाय फाइलें मंत्रालय की अलमारी में दबा दी गईं। यह पहली बड़ी गड़बड़ी थी, जिसने विभागीय प्रणाली की लाचारी को उजागर कर दिया।

करेली में दूसरी किस्त का भ्रष्टाचार

करेली नगर पालिका में अप्रैल 2023 से अक्टूबर 2023 तक सीएमओ रहते हुए पूजा बुनकर ने एक बार फिर मनमानी के नए रिकॉर्ड बनाए। जांच रिपोर्ट में सामने आया कि मशीनों और सामग्रियों की खरीदी में नियमों की धज्जियां उड़ाई गईं। एक मशीन की सीमा जहां 1 लाख तक थी, वहीं 37 बार भुगतान किए गए। कई भुगतान बिना स्वीकृति 20 हजार से अधिक के थे, जो नियम विरुद्ध था। इसके अलावा 15 टेबल बिना टेंडर प्रक्रिया के खरीदे गए, जिससे करीब 2.28 लाख रुपये का अतिरिक्त व्यय किया गया। 11 अक्टूबर 2023 को जांच में आरोप सही पाए गए और 9 अक्टूबर 2024 को विभाग ने आरोप पत्र जारी किया, फिर भी कार्रवाई नहीं हुई। इससे साफ है कि प्रभावशाली संरक्षण ने पूरे तंत्र को पंगु बना दिया है।

...तो क्या धनपुरी में तीसरी बार वही स्क्रिप्ट

अब शहडोल जिले की धनपुरी नगर पालिका में सीएमओ पद पर रहते हुए पूजा बुनकर की कार्यशैली फिर चर्चा में है। यहां कर्मचारियों को एक माह पहले कार्यालयीन वर्दी बांटी जा चुकी, जबकि बाद में उसी वर्दी की निविदा जारी की गई। करीब 8.72 लाख रुपये की निविदा 10 अक्टूबर को जारी हुई, जबकि वर्दियां पहले ही वितरित हो चुकी थीं। स्थानीय नागरिकों और जनप्रतिनिधियों ने सवाल उठाए हैं कि जब वर्दी पहले ही दी जा चुकी, तो बाद में निविदा निकालने का क्या औचित्य? यह प्रक्रिया सिर्फ कागजी औपचारिकता पूरी करने जैसी लगती है। मुख्य नगर पालिका अधिकारी पूजा बुनकर और अध्यक्ष रविंदर कौर छाबड़ा से संपर्क की कोशिश की गई, पर उन्होंने जवाब नहीं दिया। इससे स्पष्ट संकेत हैं कि धनपुरी में भी भ्रष्टाचार की पटकथा लिखी जा चुकी है।

ईओडब्ल्यू से जांच की मांग उठी

पूजा बुनकर पर दो नगरपालिकाओं में सिद्ध भ्रष्टाचार के बावजूद प्रशासन ने आंखें मूंद ली हैं। करेली और सिवनी दोनों मामलों में जांच रिपोर्टें 2023 में ही स्पष्ट हो चुकी थीं, आरोप पत्र तक जारी हुए, लेकिन कार्रवाई नहीं हुई। अब जब धनपुरी में भी उसी तर्ज पर फर्जी निविदा और वित्तीय गड़बड़ी की बातें सामने आ रही हैं, तो यह केवल एक नगर पालिका का मामला नहीं रहा, यह पूरे नगरीय प्रशासन की साख पर प्रश्न है। ऐसे में आर्थिक अपराध अन्वेषण ब्यूरो को इस पूरे मामले की जांच अपने हाथों में लेकर न केवल धनपुरी की अनियमितताओं, बल्कि सिवनी और करेली में हुए भ्रष्टाचार की भी जांच करनी चाहिए। जनता अब जानना चाहती है कि क्या अधिकारी वर्ग के लिए कोई अलग कानून है या भ्रष्टाचार का खेल पद परिवर्तन की आड़ में लगातार जारी रहेगा।

धनपुरी में फिर विवादों में सीएमओ पूजा बुनकर

धनपुरी नगर पालिका एक बार फिर सुर्खियों में है। बीते दिनों लोकायुक्त रीवा की टीम ने यहां छापा मारकर एक कर्मचारी को 3000 की रिश्वत लेते हुए रंगेहाथ पकड़ा था। इस प्रकरण से जुड़ा एक ऑडियो भी वायरल हुआ, जिसमें आईपीसी कर्मचारी और पीड़ित योगेंद्र सिंह के बीच बातचीत के दौरान मैडम शब्द का उल्लेख हुआ। बताया जा रहा है कि रिश्वत लेने वाला कर्मचारी आईपीसी नाम से जाना जाता है, जिसने बातचीत में मैडम का हवाला दिया। इससे नगर पालिका की वर्तमान सीएमओ पूजा बुनकर का नाम संशय के घेरे में आ गया है, क्योंकि पूर्व में भी उनके खिलाफ सिवनी और करेली में भ्रष्टाचार के आरोप सिद्ध हो चुके हैं। हालांकि यह अभी स्पष्ट नहीं है कि ऑडियो में मैडम से तात्पर्य उन्हीं से है या किसी अन्य से, लेकिन इस चर्चा ने धनपुरी में प्रशासनिक हलचल तेज कर दी है और ईओडब्ल्यू की जांच की मांग उठने लगी है।

जयसिंहनगर में सड़क हादसे में नवविवाहिता की मौत

पुलिस ने पति पर लापरवाही से वाहन चलाने का प्रकरण दर्ज किया

शहडोल।

जिले के जयसिंहनगर थाना क्षेत्र में एक दर्दनाक सडक़ हादसे में 22 वर्षीय नवविवाहिता मुस्कान सोनी पति शुभम सोनी की उपचार के दौरान मृत्यु हो गई। पुलिस ने मामले की जांच के बाद पति शुभम सोनी के विरुद्ध लापरवाहीपूर्वक वाहन चलाने का प्रकरण दर्ज कर विवेचना प्रारंभ कर दी है। मिली जानकारी के अनुसार, मृतिका मुस्कान सोनी ने वर्ष 2024 में **ग्राम बिजहा, थाना ब्यौहारी निवासी शुभम सोनी से अदालत में विवाह किया था। विवाह के बाद वह कई बार अपने मायके जयसिंहनगर आई थी। बीते रक्षाबंधन पर भी वह मायके आई हुई थी। बताया गया कि 11 अगस्त 2025 को पति शुभम ने बार-बार फोन कर उसे अपने पास बुलाया, जिसके बाद मुस्कान बस से ब्यौहारी चली गई। शुभम सोनी ब्यौहारी रेलवे स्टेशन के पास समोसे बेचने का कार्य करता था।

रिपोर्ट के अनुसार, पति-पत्नी के बीच किसी बात को लेकर विवाद हुआ। इसके बाद शुभम अपनी नीली रंग की पल्सर मोटरसाइकिल से मुस्कान को उसके मायके जयसिंहनगर छोडऩे जा रहा था। रास्ते में ग्राम सेमरा पेट्रोल पंप के पास शाम लगभग 7 बजे मोटरसाइकिल को तेज और लापरवाहीपूर्वक चलाने के कारण मुस्कान नीचे गिर गई और उसके सिर में गंभीर चोट आई। शुभम ने तत्काल पेट्रोल पंप के कर्मचारियों से सहायता मांगी और एक रिश्तेदार की मदद से मुस्कान को ब्यौहारी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां से उसे शहडोल मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया।

शहडोल में प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने उसे जबलपुर के मेडिजोन अस्पताल रेफर किया, जहां 16 अगस्त की रात 9 बजकर 50 मिनट पर उपचार के दौरान उसकी मृत्यु हो गई। सूचना मिलने पर गढ़ा मेडिकल पुलिस चौकी जबलपुर ने धारा 194 बीएनएसएस के तहत जांच प्रारंभ की और मर्ग डायरी थाना जयसिंहनगर भेजी गई।

जांच में यह तथ्य सामने आया कि मुस्कान की मृत्यु तेज गति और लापरवाही से वाहन चलाने के कारण हुई है। इस आधार पर थाना जयसिंहनगर पुलिस ने जांच के बाद अपराध दर्ज करते हुए धारा 106(1) भारतीय न्याय संहिता एवं धारा 184 मोटरयान अधिनियम के तहत प्रकरण पंजीबद्ध किया है। जांच अधिकारी सहायक उपनिरीक्षक चिरंजीव चौधरी के अनुसार मुस्कान को हादसे के बाद गंभीर अवस्था में ब्यौहारी और शहडोल अस्पतालों से होते हुए जबलपुर लाया गया था, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतका का शव पोस्टमार्टम के लिए मेडिकल कॉलेज जबलपुर भेजा गया है।

प्रकरण की जानकारी एसडीएम जयसिंहनगर को भी प्रेषित कर दी गई है। पुलिस ने बताया कि पूरे मामले की जांच जारी है और लापरवाही से हुई मृत्यु के संबंध में साक्ष्य एकत्र किए जा रहे हैं। परिजनों का आरोप है कि शुभम सोनी का व्यवहार मुस्कान के प्रति पहले से ही कठोर था, जिससे विवाद की स्थिति बनी रहती थी। वहीं पुलिस का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद ही आगे की कार्रवाई की जाएगी।

समय पर ब्लड नहीं मिलने से मासूम की मौत

जिला चिकित्सालय में राहुल हार गया जिंदगी की जंग

शहडोल।

जिले के कुशाभाऊ ठाकरे जिला चिकित्सालय में एक बार फिर मानवता को शर्मसार कर देने वाला मामला सामने आया है। समय पर ब्लड उपलब्ध न होने की वजह से एक मासूम की जान चली गई। मृतक के परिजनों ने ब्लड बैंक कर्मचारियों पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाते हुए सिटी कोतवाली में शिकायत दर्ज कराई है और कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

जानकारी के अनुसार अमन मौर्य पिता रामटहल मौर्य ने अपने बेटे राहुल मौर्य को 22 अक्टूबर की रात करीब 8 बजे जिला चिकित्सालय शहडोल में भर्ती कराया था। डॉक्टरों ने जांच के दौरान बताया कि राहुल के शरीर में केवल 3.7 यूनिट ब्लड बचा है और तत्काल ब्लड चढ़ाना आवश्यक है। पिता अमन मौर्य ने तत्काल ब्लड डोनेट करने की इच्छा जताई और अपने साथ लल्ला पनिका नामक व्यक्ति को भी ब्लड देने के लिए लेकर पहुंचे। परिजनों का आरोप है कि सुबह 10 बजे से ब्लड बैंक के चक्कर लगाते रहे, लेकिन ब्लड बैंक कर्मचारी न तो ब्लड दे रहे थे और न ही डोनर का ब्लड ले रहे थे। बार-बार अनुरोध करने के बावजूद कर्मचारी कहते रहे, 30 मिनट रुक जाओ, ब्लड मिल जाएगा। इसी बहाने में कई घंटे बीत गए। दोपहर करीब 1:45 बजे तक इंतजार करते रहे, लेकिन ब्लड नहीं मिला। अंततः 2 बजे राहुल मौर्य ने दम तोड़ दिया। पिता अमन मौर्य का कहना है कि ब्लड बैंक में ब्लड उपलब्ध था, फिर भी कर्मचारियों की बेरुखी और लापरवाही के चलते उनके बेटे की मौत हो गई। उन्होंने कहा अगर समय पर ब्लड दे दिया जाता, तो मेरा बेटा आज जिंदा होता। ब्लड बैंक कर्मचारी मौत के जिम्मेदार हैं। इनके खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए।

घटना के बाद अस्पताल परिसर में शोक और आक्रोश का माहौल है। स्थानीय लोगों का कहना है कि जिला चिकित्सालय में ब्लड बैंक की व्यवस्था पहले से ही अव्यवस्थित है। आए दिन ब्लड की कमी या कर्मचारियों की लापरवाही के कारण मरीजों को परेशानी उठानी पड़ती है। परिजनों ने इस संबंध में सिटी कोतवाली थाना शहडोल में लिखित शिकायत दी है, जिसमें ब्लड बैंक के कर्मचारियों पर हत्या समान लापरवाही का आरोप लगाया गया है। उन्होंने मांग की है कि मृतक राहुल मौर्य के परिवार को न्याय दिलाने के लिए दोषियों पर एफआईआर दर्ज कर कठोर कार्रवाई की जाए। इस दर्दनाक घटना ने जिला अस्पताल की स्वास्थ्य व्यवस्थाओं पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। एक ओर सरकार बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं के दावे करती है, वहीं दूसरी ओर ब्लड बैंक जैसी संवेदनशील इकाई में लापरवाही से मासूम की जान चली जाती है। अब देखना यह है कि प्रशासन इस मामले में क्या कार्रवाई करता है या एक और मौत फाइलों में दबकर रह जाएगी।

दैनिक समय के संपादक चन्द्रशेखर त्रिपाठी का पार्थिव शरीर पंचतत्व में विलीन

शहडोल। संभागीय मुख्यालय शहडोल से प्रकाशित दैनिक समाचार पत्र दैनिक समय के संपादक चन्द्रशेखर त्रिपाठी शास्त्री का लंबी बीमारी के बाद गुरूवार को उनके निवास में प्रातः 10 बजे निधन हो गया है। स्वर्गीय श्री त्रिपाठी का अंतिम संस्कार पांडव नगर शहडोल स्थित हनुमान घाट में किया गया। उनके जेष्ठ पुत्र बालेन्दु शेखर त्रिपाठी ने मुखाग्नि दी। स्व. श्री त्रिपाठी अपने पीछे भरा पूरा परिवार पत्नि श्रीमती सावित्री त्रिपाठी, दो पुत्र श्री बालेन्दु शेखर त्रिपाठी, नावेन्दु शेखर त्रिपाठी तथा पांच बेटियां छोड़ गए हैं। स्व. चन्द्रशेखर त्रिपाठी के निधन की खबर लगते ही मीडिया जगत में शोक की लहर छा गई। उनके निवास में लोगों ने पहुंचकर पुष्पमाला अर्पित किए तथा अंतिम संस्कार में शामिल हुए। जिला प्रशासन की ओर से अपर कलेक्टर सरोधन सिंह ने श्रद्धांजलि अर्पित कर पार्थिव शरीर में पुष्पमाला अर्पित किया। स्व. श्री त्रिपाठी मध्यप्रदेश जनसम्पर्क विभाग के अधिमान्य पत्रकार थे तथा विभाग द्वारा उन्हे पत्रकार सम्मान निधि भी प्रदान की जाती थी। श्री त्रिपाठी का जन्म अविभाजित शहडोल के बिजुरी नगर में सन 1937 में हुआ था। आपने प्रारंभिक शिक्षा बिजुरी से एवं उच्च शिक्षा एम.ए.एलएलबी. तथा सहित्य रत्न की शिक्षा शहडोल से प्राप्त की। अपने जीवन की शुरूआत उन्होंने वकालत कर शुरू की थी। दैनिक समय शहडोल का शुभारंभ वर्ष 1977 में हुआ था। तब से आज पर्यन्त तक आप संपादक रहे। श्री त्रिपाठी के निधन से पत्रकारिता जगत में शोक की लहर व्याप्त है। दिवंगत आत्मा की शांति के लिए शोक सभा का आयोजन कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई तथा शोकाकुल परिवार को असहनीय दुख सहने की ईश्वर से प्रार्थना की गई।

धनपुरी में सर्व धर्म हिताय, सर्व जन सुखाय के भाव से भव्य सम्मान समारोह का आयोजन

धनपुरी

25 अक्टूबर शनिवार को धनपुरी इंडोर स्टेडियम में सर्व धर्म हिताय, सर्व जन सुखाय के भाव से भव्य सम्मान समारोह आयोजित किया जाएगा। यह कार्यक्रम समाजसेवा, उद्योग, शिक्षा, पत्रकारिता और अन्य क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वालों को सम्मानित करने के उद्देश्य से आयोजित किया जा रहा है।

इस कार्यक्रम का आयोजन दैनिक हाल ए हलचल , दैनिक प्रदेश का गौरव, जोगी एक्सप्रेस और दैनिक जय संगवारी समूह के प्रमुख अतीक खान द्वारा किया जा रहा है। अतीक खान ने बताया कि यह समारोह केवल सम्मान नहीं, बल्कि समाज में अच्छाई, सहयोग और संस्कारों को बढ़ावा देने का माध्यम है। उनका मानना है कि जो समाज के लिए जीता है, वही सच्चा नायक है।

समारोह में छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा, मध्य प्रदेश के उपमुख्यमंत्री और स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जयसवाल सहित कई गणमान्य अतिथि शामिल होंगे। प्रदेश के उपमुख्यमंत्री कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे, जबकि राज्यसभा सांसद और अन्य जनप्रतिनिधि विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। पत्रकार कैलाश लालवानी ने कहा कि पत्रकारिता समाज सेवा का महत्वपूर्ण अंग है और समाज के दबे-कुचले लोगों की आवाज को आगे बढ़ाना हमारी जिम्मेदारी है। उन्होंने चीनी मित्र मंडली अमलाई एवं धनपुरी-बुढ़ार क्षेत्र के समाजसेवियों को विशेष सम्मानित करने का महत्व भी बताया। इसके अलावा, माँ जगत जननी दुर्गा स्वरूप में कन्याओं का पैर पखराना कार्यक्रम भी आयोजित किया जाएगा। स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जयसवाल ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम समाज को एकजुट करने का कार्य करते हैं और समाजसेवा तथा धर्म एक मंच पर आने से यह देश और संस्कृति की सच्ची सेवा बन जाती है। वरिष्ठ पत्रकार सनत शर्मा ने सभी धर्मों और समुदायों को जोडऩे वाले इस सेतु समारोह में समाजसेवा के प्रति जिम्मेदारी निभाने का संदेश दिया।

कार्यक्रम में विभिन्न सामाजिक और सांस्कृतिक संगठनों की भागीदारी सुनिश्चित की गई है और सम्मानित अतिथियों को स्मृति चिन्ह प्रदान किए जाएंगे। यह आयोजन समाज में सकारात्मकता, एकता और संस्कारों का संदेश देने वाला ऐतिहासिक अवसर माना जा रहा है।

अंश तो बह गया... पर सवाल अब भी तैर रहा है

13 दिन से लापता मासूम को ढूंढने में नाकाम प्रशासन

शहडोल

जिले में आठवीं कक्षा के छात्र अंश की मौत सिर्फ एक हादसा नहीं, बल्कि एक सवाल है, क्या इस सिस्टम में गरीब की जान की कोई कीमत नहीं? नवलपुर स्थित सन नदी के किनारे रील बनाते वक्त नदी की लहरों में समा गया अंश अब 13 दिन से लापता है। परिजनों की आंखें दरवाजे पर टिक गई हैं, उम्मीद की डोर अब भी टूटी नहीं, लेकिन प्रशासन की संवेदनाएं मानो पत्थर बन गई हैं। 13 दिन पहले का वह वीडियो आज भी लोगों के जेहन में जिंदा है, पुल के नीचे लटकता अंश, कपड़े की बनी रस्सी को कसकर पकड़े हुए बार-बार अपने दोस्तों से चिल्लाकर कह रहा था, खींचो यार! लेकिन हंसी-मजाक में खोए दोस्तों ने उसकी पुकार नहीं सुनी। कुछ ही पल में अंश का संतुलन बिगड़ा, और वह सन नदी की तेज धार में बह गया। मोबाइल पर कैद यह आखिरी आवाज अब उसके मां-बाप के सीने में गूंजती रहती है। अंश के पिता पिछले कई दिनों से बुढार थाने से लेकर कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक कार्यालय तक चक्कर काट रहे हैं। वे हर दरवाजे पर गुहार

लगा चुके हैं, बस एक बार मेरे बेटे का चेहरा दिखा दो, लेकिन जवाब में अब तक सिर्फ आश्वासन और इंतजार मिला है। अजीब विडंबना है कि यही जिला जब धनपुरी थाना क्षेत्र की अमली खदान में एक निजी कंपनी का ट्रक ड्राइवर 2000 टिप्पर सहित डूब गया था, तब एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और यहां तक कि मिलिट्री तक को बुला लिया गया था। लाखों रुपए खर्च हुए, मीडिया पहुंचा, और आखिर में मुआवजा भी मिला। लेकिन एक गरीब परिवार का मासूम बेटा, जो कल किसी का डॉक्टर, अधिकारी या शिक्षक बन सकता था, उसके लिए कोई टीम नहीं आई, कोई फाइल नहीं खुली। कलेक्टर डॉ. केदार सिंह के नाम से यह चर्चा जरूर है कि उन्होंने एनडीआरएफ की मदद के लिए पत्र लिखा था, लेकिन वह पत्र अब तक कहाँ है, किसी को नहीं पता। प्रशासनिक स्तर पर चुप्पी है, और जनता के दिल में गुस्सा। अंश की मां हर सुबह घाट की ओर जाती हैं और शायद आज कोई खबर मिले। उनकी आंखें सूख चुकी हैं, लेकिन उम्मीद अब भी बाकी है। पिता कहते हैं, हम गरीब हैं, इसलिए कोई सुनने वाला नहीं। सोशल मीडिया की लत ने अंश की जान ली, लेकिन प्रशासन की लापरवाही ने उसके माता-पिता का सब कुछ छीन लिया। 13 दिन बीत चुके हैं, नदी की लहरें ठंडी पड़ गईं, लेकिन सवाल अब भी तैर रहा है कि क्या एक गरीब की जान की कोई कीमत नहीं? क्या प्रशासन की संवेदनाएं सिर्फ बड़े हादसों के लिए बची हैं? अंश चला गया, पर उसकी मासूम मुस्कान अब जिले की संवेदनहीन व्यवस्था पर सबसे बड़ा आरोप बन चुकी है।

फसल बीमा में घोटाला या लापरवाही?

किसानों की मेहनत डूब रही, बीमा कंपनियां मौन

जयसिंहनगर।

किसानों की मेहनत, उम्मीद और भविष्य—तीनों एक साथ तबाह हो रहे हैं। एक ओर जहां प्रदेश सरकार किसानों की समृद्धि के दावे करती नहीं थकती, वहीं दूसरी ओर बीमा कंपनियों की लापरवाही ने किसानों को कर्ज, चिंता और निराशा के दलदल में धकेल दिया है। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना का लाभ तो कागजों में दिखता है, लेकिन हकीकत में किसान दर-दर की ठोकरें खाने को मजबूर हैं। इस बार जयसिंहनगर विकासखंड में लगातार हुई बारिश और मौसम के अस्थिर मिजाज ने धान की फसल को तबाह कर दिया। खेतों में रोग फैल गया—पत्तियां झुलस गईं, पौधे पीले पड़ गए और फसलें अकाल मृत्यु मर गईं। किसानों ने महंगी दवाइयां डालकर फसल बचाने की कोशिश की, लेकिन रोग रुकने का नाम नहीं लिया। परिणामस्वरूप इस बार उत्पादन में 50 प्रतिशत तक गिरावट की आशंका जताई जा रही है। ऐसे में किसानों की आखिरी उम्मीद फसल बीमा योजना थी , लेकिन वहां भी मायूसी हाथ लगी।

सर्वे के नाम पर खानापूर्ति

किसानों का आरोप है कि बीमा कंपनियों के अधिकारी और प्रतिनिधि क्षेत्र में कहीं नजर नहीं आ रहे हैं। न तो खेतों में सर्वे हो रहा है, न कोई मुआवजे की प्रक्रिया शुरू की गई है। कई किसानों ने आदिम जाति सहकारी समितियों और बीमा कंपनी को शिकायतें भेजीं, लेकिन अब तक कोई सुनवाई नहीं हुई। स्थानीय किसान भगवानदीन पटेल कहते हैं कि हमने समय पर प्रीमियम भरा, लेकिन जब फसल पूरी तरह खराब हो गई तो बीमा कंपनी के लोग गायब हो गए। न कोई देखने आया, न कोई रिपोर्ट बनाई गई। किसान मर रहा है और बीमा कंपनी मौन है। ग्राम बेलहा के किसान गोविंद सिंह ने बताया कि कंपनी सर्वे के नाम पर सिर्फ कागजी खानापूर्ति कर रही है। सिर्फ फाइलों में खेत देखकर रिपोर्ट बना देते हैं, जबकि असल में हमारे खेतों में धान सूखकर राख हो गया है।

40 से 60 प्रतिशत तक नुकसान

कृषि विशेषज्ञों का कहना है कि धान में झुलसा और कंडुआ रोग के कारण उत्पादन में भारी गिरावट आएगी। यदि समय पर राहत नहीं मिली तो किसान न केवल आर्थिक रूप से बल्कि मानसिक रूप से भी टूट जाएंगे। विशेषज्ञों ने चेताया है कि खेतों की मौजूदा स्थिति फसल बीमा दावों के त्वरित निपटारे की मांग करती है, लेकिन बीमा कंपनियां किसानों की स्थिति को नजरअंदाज कर रही हैं।

नेताओं ने भी उठाई आवाज़

पूर्व भाजपा मंडल अध्यक्ष राजेश द्विवेदी और रामनारायण पांडेय ने प्रशासन और कृषि विभाग से तत्काल फसल सर्वे कराने और प्रभावित किसानों को मुआवजा दिलाने की मांग की है। उनका कहना है कि यदि सरकार किसानों के साथ है, तो उसे बीमा कंपनियों पर सख्त कार्रवाई करनी चाहिए। किसान की हालत देखकर दिल दहल जाता है। उसने अपने खेत में सोना उगाने की कोशिश की, लेकिन लापरवाही की आग में सब कुछ जल गया।

कर्ज और संकट में डूबे किसान

जयसिंहनगर विकासखंड के विभिन्न आदिम जाति सेवा सहकारी समितियों से लगभग 1393 किसानों का फसल बीमा कराया गया था। अब सवाल यह है कि जब फसल पूरी तरह चौपट हो चुकी है, तो यह बीमा आखिर किसके लिए था? किसानों का कहना है कि यदि मुआवजा नहीं मिला तो वे कर्ज कैसे चुका पाएंगे? ग्राम कुसमी के किसान रामकुमार साकेत का कहना है कि हमने बीमा इस उम्मीद में कराया था कि नुकसान पर सरकार और कंपनी मदद करेगी, लेकिन अब कोई पूछने नहीं आया। बैंक का कर्ज सिर पर है, घर में खाने को भी नहीं बचा।

सरकार और प्रशासन की चुप्पी संदिग्ध

किसानों ने बार-बार प्रशासन को ज्ञापन सौंपे हैं, लेकिन अब तक कोई टीम सर्वे के लिए नहीं पहुंची। न कृषि विभाग हरकत में आया, न ही बीमा कंपनियां जवाब दे रही हैं। ऐसा लगता है जैसे किसानों का दर्द किसी को सुनाई ही नहीं देता। सवाल यह भी उठता है कि जब सरकार हर साल बीमा कंपनियों को करोड़ों रुपये देती है, तो क्या उसकी जवाबदेही तय नहीं होनी चाहिए?

बीमा कंपनी पर कार्रवाई हो

गांव-गांव के खेतों में अब सूखी फसलें किसानों का मज़ाक उड़ा रही हैं। बीमा कंपनी के अफसर वातानुकूलित दफ्तरों में बैठकर दावे निपटाने की नीति बना रहे हैं और किसान खेत में अपनी बरबादी निहार रहा है। प्रशासन की चुप्पी यह साबित करती है कि किसान की मेहनत की कोई कीमत नहीं। किसानों ने एकजुट होकर मांग की है कि जिला प्रशासन और राज्य सरकार तत्काल हस्तक्षेप करें, फसल सर्वे टीमों को गांवों में भेजा जाए और बीमा कंपनियों को जवाबदेह ठहराया जाए। यदि समय रहते कार्रवाई नहीं हुई, तो किसान सडक़ों पर उतरकर आंदोलन करने को मजबूर होंगे।

नरवाई में आग लगाने पर उमरिया में सख्त प्रतिबंध, कलेक्टर ने जारी किया आदेश

कंबाईन हार्वेस्टर के साथ एसएमएस मशीन का उपयोग अनिवार्य

उमरिया।

जिले में फसलों की कटाई उपरांत नरवाई (फसल अवशेष) में आग लगाने की बढ़ती घटनाओं पर नियंत्रण के लिए प्रशासन सख्त हो गया है। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी धरणेन्द्र कुमार जैन ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के तहत जिले की संपूर्ण राजस्व सीमा में प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किया है। आदेश के तहत अब कंबाईन हार्वेस्टर के साथ स्ट्रा मैनेजमेंट सिस्टम (एसएमएस) अथवा स्ट्रा रीपर मशीन का उपयोग अनिवार्य कर दिया गया है।

कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि कटाई के बाद नरवाई में आग लगाना पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा। ऐसा करने पर पर्यावरण विभाग के नोटिफिकेशन के अनुसार यह कार्य दण्डनीय अपराध माना जाएगा और उल्लंघनकर्ताओं के खिलाफ भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 223 के तहत सख्त कार्रवाई की जाएगी। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू हो गया है।

प्रशासन ने चेतावनी दी है कि खेतों में आग लगाने से न केवल भूमि की उर्वरा शक्ति घटती है, बल्कि वातावरण में हानिकारक गैसों का उत्सर्जन होता है, जिससे पर्यावरण पर गंभीर असर पड़ता है। बीते वर्षों में ऐसी घटनाओं से अनेक अग्नि दुर्घटनाएं, संपत्ति की हानि और जल संकट जैसी समस्याएं उत्पन्न हुई हैं।

कलेक्टर जैन ने कहा कि नरवाई जलाने से लाभकारी सूक्ष्म जीवाणु नष्ट हो जाते हैं, जिससे मिट्टी की उत्पादकता घटती है। वहीं खेत में बचा भूसा और डंठल सडऩे पर भूमि को स्वाभाविक रूप से उपजाऊ बनाते हैं, जिसे जलाना प्राकृतिक ऊर्जा की बर्बादी है। प्रशासन ने किसानों से अपील की है कि वे शासन के निर्देशों का पालन करते हुए सस्टेनेबल खेती पद्धति अपनाएं और पर्यावरण संरक्षण में सहयोग दें।

कोदो कुटकी के उपार्जन हेतु 141 किसानों ने कराया पंजीयन

उमरिया।

उप संचालक कृषि संग्राम सिंह मरावी ने बताया कि खरीफ 2025 मे जिले में कोदो कुटकी का उपार्जन कार्य किया जाना है । पंजीयन का कार्य 10 अक्टूबर से प्रारंभ हो गया है । जिले मे अब तक 141 किसानों ने अपना पंजीयन कराया है ।

उन्होने बताया कि करकेली विकासखंड में लैम्पस मुख्यालय उमरिया, अमडी, भरौला, विपणन सहकारी समिति उमरिया, लैम्पस मुख्यालय चंदिया, पथरहठा कोयलारी 22, नरवार 25 , बिलासपुर, निगहरी, अखडार , लैम्पमस मुख्यालय करकेली तथा घुलघुली में पंजीयन केंद्र बनाये गये है। इसी प्रकार नौरोजाबाद में लैम्पस मुख्यालय छांदाखुर्द, मानपुर में लैम्पस मुख्यालय मानपुर, बरबसपुर, कछराटोला, बल्हौड, नौगवां, परासी ध, उमरिया बकेली, पनपथा, कठार, भरेवा, सिगुडी, डोडका, भरेवा, इंदवार, पडखुरी, चिल्हारी, कोटरी, अमरपुर, पडवार, सलैया, घुनघुटी , चौरी, मालाचुआ में पंजीयन केंद्र बनाए गए है ।

कोदो एवं कुटकी उपार्जन के लिए निशुल्क एवं सशुल्क की गई व्यवस्था

उमरिया।

उप संचालक कृषि संग्राम सिंह मरावी ने बताया कि कोदो एवं कुटकी के उपार्जन के लिए पंजीयन कि निशुल्क व्यवस्था ग्राम पंचायत कार्यालय में स्थापित सुविधा केंद्र, जनपद पंचायत कार्यालयों में स्थापित सुविधा केंद्र, तहसील कार्यालयों में स्थापित सुविधा केंद्र, सहकारी समितियो एवं सहकारी विपणन संस्थाओ व्दारा संचालित पंजीयन केंद्र तथा एम पी किसान एप पंजीयन किया जा सकता है । इसी तरह पंजीयन की सशुल्क व्यवस्था एमपी आनलाइन, कामन सर्विस सेंटर, लोक सेवा केंद्र तथा निजी व्यक्तियो व्दारा संचालित कैफे पर किया जा सकता है ।

उन्होने बताया कि एमपी ऑनलाईन कियोस्क, कॉमन सर्विस सेंटर, लोक सेवा केंद्र और निजि व्यक्तियों द्वारा संचालित साईबर कैफे पर पंजीयन सुविधा एवं शुल्क राशि के संबंध में आवश्यक बैनर प्रदर्शित किये जावेंगे। उपार्जन के लिये किसानों का पंजीयन करने के लिये निर्धारित प्रपत्र में आवेदन समग्र सदस्य आई0डी0, भू-अधिकार पुस्तिका, खसरा, वनाधिकार, पट्टा की प्रति, मोबाईल नंबर की जानकारी (नोट- खसरा, बैंक एकाउन्ट, मोबाईल नंबर आधार से लिंक होना अनिवार्य है।

सिकमी/बटाईदार एवं वन पट्टाधारी किसान के पंजीयन की सुविधा केवल सहकारी समिति स्तर पर स्थापित पंजीयन केंद्रों पर उपलब्ध होगी। उक्त श्रेणी के शत-प्रतिशत किसानों के सत्यापन राजस्व विभाग द्वारा किया जावेगा। किसान पंजीयन कराने एवं फसल बेचने के लिये किसान का आधार नंबर का सत्यापन मोबाईल नंबर पर प्राप्त ओटीपी या बायोमेट्रिक डिवाईस से किया जावेगा। पूर्व के वर्षों की किसी अपात्र संस्था के केंद्र प्रभारी एवं ऑपरेटर को किसी अन्य संस्था में पंजीयन कार्य हेतु नहीं रखा जावेगा। विगत वर्षों में पंजीयन / उपार्जन में अत्यधिक त्रुटि करने वाले ऑपरेटर की सेवायें भी नहीं ली जावेगी।

सूर्योपासना की तैयारियों में जुटे श्रद्धालु

आस्था और श्रद्धा का प्रतीक छठ महापर्व

उमरिया।

दीपावली के उत्सव के बाद अब जिलेभर में छठ महापर्व की तैयारियां पूरे उत्साह और श्रद्धा के साथ शुरू हो चुकी हैं। सूर्योपासना और संतान की दीर्घायु के लिए मनाया जाने वाला यह चार दिवसीय पर्व इस वर्ष 25 अक्टूबर से आरंभ होकर 28 अक्टूबर तक चलेगा। परंपरानुसार व्रत की शुरुआत नहाय-खाय से होगी, जबकि समापन अस्ताचलगामी और उदयमान सूर्य को अर्घ्य अर्पित कर किया जाएगा।

जिले के प्रमुख पूजा स्थलों पाली नगर के सगरा तालाब, पाली प्रोजेक्ट कॉलोनी स्थित जोहिला नदी का पोड़ी घाट तथा संजय गांधी प्रकाश नगर क्षेत्र के मंगठार बांध में छठ पूजा की व्यापक तैयारियां की जा रही हैं। इन स्थलों की साफ-सफाई, घाटों की मरम्मत, प्रकाश व्यवस्था और सुरक्षा प्रबंधों पर नगर प्रशासन विशेष ध्यान दे रहा है। वहीं नौरोजाबाद क्षेत्र में भी श्रद्धालु परंपरागत उत्साह के साथ घाटों की सजावट और पूजन सामग्री की तैयारी में जुटे हैं।

छठ पर्व उत्तर भारत का एक प्रमुख धार्मिक उत्सव है, जो सूर्य देव और छठी मैया की आराधना को समर्पित है। यह व्रत मुख्य रूप से महिलाएं करती हैं, जो अपने संतान की सुख-समृद्धि, आरोग्य और उन्नति की कामना करती हैं। लोकमान्यता है कि इस अवसर पर जब व्रती महिलाएं डूबते और उगते सूर्य को अर्घ्य देती हैं, तो सूर्य की किरणें उनके जीवन में नई ऊर्जा और सकारात्मकता का संचार करती हैं।

प्राचीन काल से मनाया जा रहा यह पर्व आस्था, अनुशासन और पर्यावरण की पवित्रता का संदेश देता है। कहा जाता है कि जब नवोदित सूर्य की सुनहरी किरणें जल में प्रतिबिंबित होती हैं, तो वह दृश्य न केवल भक्तों के मन को आलोकित करता है, बल्कि समाज में विश्वास, शुद्धता और आध्यात्मिक एकता की भावना को भी प्रबल करता है।

स्कूल के लिए मुसीबत बना दीवाली का कचरा

हरिभूमि न्यूज कोतमा। नगर पालिका प्रशासन के द्वारा स्वच्छ भारत अभियान के तहत लोगों को अपने आसपास के क्षेत्र को साफ सुथरा रखने के लिए प्रेरित कर रहे है, लेकिन नगर के माडल स्कूल परिसर में दिवाली पर्व के दौरान लगे पटाखा बाजार में दुकानदार त्योहार के बाद दुकानों का समान छोड़कर वहां पर कचरा फैलाकर चले गए हैं। उन्होंने यहां पर पटाखें की दुकान लगाकर खूब पटाखे बेचे और उसका कचरा बीच मैदान में ही छोड़ कर चले गए है। अब यह कचरा उड़ कर माडल स्कूल परिसर के वातावरण को प्रदूषित कर रहा है। नगर पालिका प्रशासन के द्वारा पटाखे के कचरे का उठाव नहीं करवाया जा रहा है जिसके कारण कचरे के ढेर मे पडी प्लास्टिक की पन्नी एवं बारूद लगे पुट्ठे को मूक पशु अपना निवाला बना रहे हैं।

धूमधाम से मनाया गया भाई दूज का पर्व

हरिभूमि न्यूज कोतमा। कार्तिक शुक्ल की द्वितीया तिथि को घरों में धूमधाम से भाई दूज का पर्व मनाया गया। गुरुवार को सुबह से ही बहनों ने जहां भाई की सलामती के लिए विधि विधान से पूजा पाठ के बाद भाई की आरती उतारते हुए माथे पर तिलक लगाकर मिठाई खिलाई और अपने भाई की खुशहाली व समृद्धि के लिए ईश्वर से उनके लिए मंगल कामना की। भाईयों ने भी बहनों को हमेशा खुश रखने के साथ उनकी सुरक्षा का वचन दिया और एक से बढ़कर एक मनपसंद उपहार दिए। माना जाता है कि भाई दूज के दिन लगने वाला तिलक भाई बहन के प्रेम के अटूट बंधन को कायम रखता है साथ ही भाई बहन के पवित्र प्यार के बंधन का प्रतीक माना जाता है। पूरे दिन घरों में भाई दूज का पर्व खुशी के साथ मनाते हुए बहनों ने अपने भाई की लंबी उम्र, सफलता और सुख समृद्धि के लिए प्रार्थना की।

थाना कोतवाली डिण्डौरी पुलिस की कार्रवाई: अवैध शराब के साथ एक आरोपी गिरफ्तार, ऑटो वाहन व नकदी जब्त

डिण्डौरी।

पुलिस अधीक्षक श्रीमती वाहिनी सिंह के निर्देशन में जिलेभर में अवैध गतिविधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत कोतवाली पुलिस ने अवैध शराब के परिवहन को लेकर बड़ी कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। कार्रवाई के दौरान भारी मात्रा में अंग्रेजी शराब, एक ऑटो वाहन, नकदी और मोबाइल फोन जब्त किया गया है।प्राप्त जानकारी के अनुसार, कोतवाली पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि एक व्यक्ति ऑटो वाहन (क्रमांक MP52R1936) में अवैध शराब लेकर समनापुर की ओर से डिण्डौरी की तरफ आ रहा है। सूचना के आधार पर अमरपुर रोड पर नाकाबंदी कर पुलिस टीम ने संदिग्ध वाहन को रोकने का प्रयास किया। पुलिस को देखकर आरोपी वाहन की चाबी फेंककर भागने की कोशिश करने लगा, लेकिन पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए घेराबंदी कर उसे मौके पर ही पकड़ लिया।

वाहन की तलाशी लेने पर उसमें बड़ी मात्रा में अवैध अंग्रेजी शराब पाई गई। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह दीपावली पर्व के दौरान शराब बेचने के उद्देश्य से इसे ला रहा था। साथ ही आरोपी के घर से भी शराब की खेप बरामद की गई है।पुलिस ने मौके से कुल 114.3 लीटर अंग्रेजी शराब (अनुमानित मूल्य 97,005), एक ऑटो वाहन (अनुमानित मूल्य 1,40,000) एक काले रंग का विवो मोबाइल (कीमत 12,000), नगद 12,250 जब्त की।गिरफ्तार आरोपी की पहचान शैलेन्द्र उर्फ शैलू मथेस (पिता शंभूप्रसाद मथेस), उम्र 34 वर्ष, निवासी ग्राम मोहदा, थाना कोतवाली डिण्डौरी के रूप में हुई है। आरोपी के विरुद्ध थाना कोतवाली डिण्डौरी में आबकारी अधिनियम की धारा 34(2) के तहत अपराध क्रमांक 602/2025 दर्ज कर उसे न्यायालय में पेश किया गया है।पुलिस अधीक्षक ने इस सफल कार्रवाई के लिए संपूर्ण पुलिस टीम की सराहना करते हुए भविष्य में भी इसी प्रकार सतर्कता बनाए रखने के निर्देश दिए हैं।

मां अंबे स्व-सहायता समूह एवं जिला प्रशासन के संयुक्त तत्वावधान में हुआ आयोजन

डिंडौरी।

विकासखंड बजाग के ग्राम पंचायत करोपानी में मंगलवार को मध्यप्रदेश शासन के गौसंवर्धन एवं संरक्षण अभियान के तहत गौपूजन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह आयोजन मां अंबे स्व-सहायता समूह एवं जिला प्रशासन डिंडौरी के संयुक्त तत्वावधान में करो पानी गौशाला परिसर में सम्पन्न हुआ।कार्यक्रम में कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री रुद्रेश परस्ते, जनपद अध्यक्ष बजाग श्रीमती फूलकली मरावी, राजेंद्र दुबे, सरपंच श्रीमती ज्ञानकुमारी मरावी, भगोलीय प्रसाद बछला, उमेश खंडेलवाल, काशीराम मरावी सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं ग्रामवासी उपस्थित रहे। मुख्य अतिथियों का स्वागत ग्रामवासियों एवं गौशाला समिति के सदस्यों द्वारा फूलमाला पहनाकर एवं चंदन तिलक लगाकर किया गया। इस अवसर पर स्थानीय लोकनृत्य दलों ने ग्वाला नृत्य प्रस्तुत कर पारंपरिक ढंग से अतिथियों का स्वागत किया, जिससे पूरे वातावरण में उत्सव एवं भक्ति की भावना का संचार हुआ।कार्यक्रम का शुभारंभ पंडित श्री विपिन तिवारी द्वारा वैदिक मंत्रोच्चारण एवं पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ गोवर्धन पूजा से हुआ। इस दौरान कलेक्टर एवं जनप्रतिनिधियों ने गौशाला में उपस्थित लगभग 100 गौवंश को तिलक लगाकर, माला पहनाकर एवं आरती उतारकर पूजन-अर्चन किया। पशुओं को पकवान एवं मीठा भी खिलाया गया। जिला पशु चिकित्सा अधिकारी श्री एच. पी. शुक्ला ने इस अवसर पर गोवंश संरक्षण के धार्मिक, आर्थिक एवं पर्यावरणीय महत्व पर प्रकाश डाला।अपने उद्बोधन में कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया ने कहा —गौसेवा केवल परंपरा नहीं, यह हमारे जीवन और जीविका का आधार है। जब हम गायों की सेवा करेंगे तो निश्चित ही हमें दूध के साथ स्वरोजगार के अवसर भी प्राप्त होंगे। शासन स्तर से गौशाला के सुचारू संचालन हेतु हरसंभव सहायता प्रदान की जाएगी। साथ ही, स्थानीय स्तर पर चारा उत्पादन के लिए खेतों में बीज बोकर स्थायी व्यवस्था बनाई जाएगी।उन्होंने सरपंच, ग्रामवासियों एवं स्व-सहायता समूह से आग्रह किया कि वे भी आगे बढ़कर गौशाला के संचालन में सक्रिय भूमिका निभाएं।कार्यक्रम में उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने भी गौसंवर्धन एवं संरक्षण के महत्व पर अपने विचार व्यक्त किए और गौसेवा को जनअभियान के रूप में आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।

खबर संक्षेप

मन के अंधकार को ज्ञान के दीप से प्रकाशित करें: बीके रीता दीदी

बुढ़ार/ धनपुरी। ब्रह्माकुमारी राजयोग मेडिटेशन सेंटर में दीपावली का पावन पर्व आध्यात्मिक उमंग और उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में अनेक गणमान्य नागरिकों ने भाग लेकर वातावरण को दिव्य ऊर्जा से भर दिया। कार्यक्रम का संचालन बी.के. रीता बहन द्वारा किया गया, उन्होंने सभी को दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि सच्ची दीपावली तभी है जब हम अपने मन के अंधकार को ज्ञान के सकारात्मकता के दीप से प्रकाशित करें। इस अवसर पर वार्ड पार्षद विजय यादव, अमित श्रीवास्तव, प्रोफेसर पंकज शर्मा तथा बी.के. प्रवीण विशेष रूप से उपस्थित रहे। बी.के. प्रवीण भाई ने अपने प्रेरणादायी शब्दों से सभी में उत्साह का संचार किया, वहीं बी.के. जोई दीदी ने सेवाकेंद्र पर नियमित रूप से आने और राजयोग ध्यान द्वारा जीवन में शांति एवं शक्ति प्राप्त करने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम के अंत में दीप प्रज्वलन, शुभ संकल्प और सभी के मंगलमय जीवन की कामनाओं के साथ उत्सव का समापन किया गया।

पुरानी रंजिश पर दो पक्षों के बीच हुई मारपीट

कटनी। कुठला थाना की बिलहरी चौकी क्षेत्र में दो पक्षों के बीच पुरानी रंजिश को लेकर मारपीट हो गई। जानकारी के अनुसार बिलहरी क्षेत्र में मंगलवार शाम हुई मारपीट में एक पक्ष के आधा दर्जन से अधिक लोग घायल हुए हैं। घायलों को उपचार के लिए जिला अस्पताल लाया गया है। जानकारी के अनुसार विवाद में आरोपी पक्ष के अनाड़ी बर्मन, भैया बर्मन, चैती बर्मन, मुन्ना बर्मन, सुदर्शन, नंदू बर्मन, शिवम बर्मन और संतोष बर्मन शामिल बताए जा रहे हैं। वहीं घायल होने वालों में नीरज बर्मन, गुलाब बर्मन, मोहित बर्मन, गोलू बर्मन, रोशन बर्मन, जयंती, मीराबाई बर्मन और अवनी बर्मन शामिल हैं। पुलिस ने मामले की जांच कर रही है।

मुक्तिधाम में अंतिम संस्कार के दौरान हुआ विवाद, चले चाकू

कटनी। बस स्टैंड चौकी क्षेत्र अंतर्गत श्मशान घाट में उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब अंतिम संस्कार के दौरान दो पक्षों में पुरानी रंजिश को लेकर विवाद भड़क उठा और देखते ही देखते मामला खूनी झगड़े में बदल गया। जानकारी के अनुसार रबर फैक्ट्री क्षेत्र निवासी चौधरी परिवार के लोग एक परिजन के अंतिम संस्कार के लिए श्मशान घाट पहुंचे थे। इसी दौरान वहां मौजूद दो पक्ष में पुराना विवाद फिर ताजा हो गया। विवाद इतना बढ़ा कि एक पक्ष के लोगों ने चाकू निकाल लिए और एक-दूसरे पर हमला कर दिया। घटना में दोनों पक्षों के कुल पाँच लोग घायल हुए हैं एक पक्ष से तीन और दूसरे पक्ष से दो। घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज जारी है। बस स्टैंड चौकी पुलिस ने दोनों पक्षों पर प्रकरण दर्ज कर लिया है। पुलिस ने घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है।

नदी घाटों पर एक साथ जलेंगे हजारों दीये

कटनी। आगामी 1 नवंबर को कटनी जिले में पवित्र नदियों एवं सरोवरों के घाटों पर भव्य दीपोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम के सफल आयोजन एवं सुचारू संचालन हेतु कलेक्टर आशीष तिवारी के निर्देश पर दो नोडल अधिकारियों की नियुक्ति की गई है। कलेक्टर के निर्देश पर जारी आदेश के अनुसार, जिला पंचायत के अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी अनुराग मोदी को ग्रामीण क्षेत्र के लिये नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। श्री मोदी 1 नवंबर को ग्राम भरभरा आश्रम सिलपरा नदी घाट में दीपोत्सव एवं अन्य कार्यक्रम का आयोजन सुनिश्चित करेंगे। इसी प्रकार नगर पालिक निगम के उपायुक्त शैलेष गुप्ता को शहरी क्षेत्र का नोडल अधिकारी बनाया गया है। श्री गुप्ता को कटायेघाट नदी घाट में दीपोत्सव एवं अन्य कार्यक्रमों के आयोजन की जिम्मेदारी दी गई है। कार्यक्रम में स्थान की उपलब्धतानुसार घाट पर 10 हजार से लेकर 1 लाख तक दीप प्रज्ज्वलित किए जाएंगे।

69वीं राज्य स्तरीय 14 वर्षीय बालिका बास्केटबॉल प्रतियोगिता का हुआ शुभारंभ

खेलों से अनुशासन, समन्वय और शारीरिक स्फूर्ति मिलती है: सांसद

शहडोल। खेलों से जीवन में अनुशासन, समन्वय और शारीरिक स्फूर्ति आती है। खिलाड़ियों को हार-जीत की चिंता किए बिना खेल भावना के साथ अपनी प्रतिभा और कौशल का प्रदर्शन करना चाहिए। हार हमें सफलता की दिशा में आगे बढऩे की प्रेरणा देती है। उक्त उद्गार शहडोल सांसद श्रीमती हिमाद्री सिंह ने महात्मा गांधी स्टेडियम, शहडोल में आयोजित 69वीं राज्य स्तरीय 14 वर्षीय बालिका बास्केटबॉल प्रतियोगिता के शुभारंभ अवसर पर व्यक्त किए।

सांसद श्रीमती सिंह ने कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती की प्रतिमा पर दीप प्रज्वलन और मध्यप्रदेश के खेल ध्वज का आरोहण कर किया। इसके बाद उन्होंने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर बास्केटबॉल उछालकर प्रतियोगिता का औपचारिक शुभारंभ किया। प्रतियोगिता का पहला मुकाबला शहडोल संभाग एवं जनजातीय कार्य विभाग की टीम के बीच खेला गया।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव खेलों को बढ़ावा देने के लिए निरंतर प्रयासरत हैं। प्रधानमंत्री जी ने 'मन की बात' कार्यक्रम में जिले के विचारपुर ग्राम का उल्लेख करते हुए उसे मिनी ब्राजील कहा था और यहां के पांच खिलाड़ियों एवं एक प्रशिक्षक को जर्मनी में फुटबॉल प्रशिक्षण का अवसर दिया। सांसद ने इसके लिए प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम में प्रदेश के दस संभागों से आई टीमों ने फील्ड मार्शल इनायत खान के नेतृत्व में आकर्षक मार्चपास्ट निकाली, जिसकी सलामी सांसद ने ली। इस अवसर पर कस्तूरबा गांधी छात्रावास की तीन छात्रा दलों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं, जिन्हें सांसद ने 5-5 हजार रुपये का प्रोत्साहन पुरस्कार प्रदान किया। जिला योजना समिति सदस्य श्रीमती अमिता चपरा ने अपने संबोधन में कहा कि प्रतियोगिता में भाग लेने वाले खिलाड़ी खेल भावना और अनुशासन के साथ खेलें। खेल से शारीरिक, मानसिक और बौद्धिक विकास होता है। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी के 'खेलो इंडिया' अभियान और 'स्वदेशी अपनाने' के संकल्प का उल्लेख करते हुए कहा कि हम सबको हर घर स्वदेशी, घर-घर स्वदेशी का संदेश अपनाना चाहिए ताकि देश के लघु उद्यमी और कारीगर सशक्त बन सकें।

कार्यक्रम का प्रतिवेदन देते हुए संयुक्त संचालक शिक्षा उमेश धुर्वे ने बताया कि इस प्रतियोगिता में 10 टीमें भाग ले रही हैं। प्रतियोगिता 23 से 26 अक्टूबर तक चलेगी। खिलाड़ियों के प्रदर्शन के आधार पर राज्य स्तरीय चयन किया जाएगा। इससे पूर्व राष्ट्रीय बास्केटबॉल खिलाड़ी अनुष्का करांगले ने खिलाड़ियों को अनुशासन और खेल भावना की शपथ दिलाई। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती प्रभा मिश्रा, जिला योजना समिति की सदस्य श्रीमती अमिता चपरा, अपर कलेक्टर सरोधन सिंह, नगर पालिका अध्यक्ष शहडोल घनश्याम दास जायसवाल, संयुक्त संचालक शिक्षा उमेश धुर्वे, उप संचालक शिक्षा फूलसिंह मारपाची, सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग आनन्द राय सिन्हा, एपीसी अरविन्द पांडे, प्रकाश जागवानी, संतोष लोहानी, अमित मिश्रा, भूपेन्द्र मिश्रा, अनिल द्विवेदी, प्रियम त्रिपाठी, मनोज गुप्ता, कुष्णकुमार गुप्ता, त्रिभुवन गोस्वामी सहित अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

ब्यौहारी ब्लॉक अध्यक्ष पद के लिए कांग्रेस में शुरू हुई दौड़

शहडोल। मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा पूरे प्रदेश में जिलाध्यक्षों की नियुक्ति के संकेत मिलने के बाद जिले के ब्यौहारी ब्लॉक में कांग्रेस पार्टी में ब्लॉक अध्यक्ष पद की दौड़ तेज हो गई है। वर्तमान में कई दावेदारों ने अपने-अपने बायोडाटा जिलाध्यक्ष को भेजकर अपनी दावेदारी पेश कर दी है। सूत्रों के अनुसार, इस दौड़ में प्रमुख नाम जिला पंचायत सदस्य पुष्पेन्द्र पटेल, शेख रब्बानी और नरेन्द्र पांडेय के हैं। पुष्पेन्द्र पटेल क्षेत्र में सक्रिय युवा नेता माने जाते हैं और उनकी पकड़ पार्टी कार्यकर्ताओं में मजबूत है। वहीं, शेख रब्बानी छात्र संघ, कांग्रेस सेवादल और पार्टी के विभिन्न पदों पर लंबे अनुभव के साथ वर्तमान में जिला कांग्रेस के महामंत्री हैं। उन्होंने वार्ड नंबर 14 से पार्षद चुनाव जीतकर अपनी लोकप्रियता साबित की है। नरेन्द्र पांडेय पंडित नन्दकुमार पांडेय के पुत्र हैं और लोगों के बीच निर्विवाद चेहरा माने जाते हैं।

पूर्व विधायक एवं पूर्व मंत्री स्वर्गीय पंडित रामकिशोर शुक्ल के नाती संजय शुक्ला भी इस दौड़ में शामिल हैं। उनके पास राजनीतिक अनुभव और वार्ड नंबर 13 से पार्षद के रूप में सेवा का अनुभव है। वहीं, लक्ष्मीकांत तिवारी को पार्टी का निष्ठावान कार्यकर्ता माना जाता है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि पार्टी पुष्पेन्द्र पटेल या शेख रब्बानी को ब्लॉक अध्यक्ष बनाती है, तो यह कांग्रेस को आक्रामक रूप से विपक्षी दल के सामने चुनौती देने में मदद कर सकता है। वर्तमान ब्लॉक अध्यक्ष विनोद ताम्रकार, जिन्होंने पिछले नौ वर्षों में विपरीत परिस्थितियों में पार्टी का झंडा बुलंद रखा, को वरिष्ठता के आधार पर किसी बड़े पद से नवाजा जा सकता है। ब्यौहारी क्षेत्र के कार्यकर्ताओं में ब्लॉक अध्यक्ष की नियुक्ति को लेकर चर्चा का बाजार गर्म है। अब यह देखना होगा कि कांग्रेस पार्टी किस चेहरे के बलबूते आगामी रणनीति तैयार करती है और क्षेत्र में अपनी पकड़ मजबूत करती है।

आधुनिक युग में शिक्षा के साथ-साथ खेल जरुरी: सांसद

सांसद खेल महोत्सव का सांसद ने किया शुभारंभ

शहडोल। सांसद श्रीमती हिमाद्री सिंह ने शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय रघुराज क्रमांक 2 में फिट इंडिया, खेलो इंडिया के तहत आयोजित सांसद खेल महोत्सव का शुभारंभ मां सरस्वती के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर किया।सांसद खेल महोत्सव को संबोधित करते हुए सांसद श्रीमती हिमाद्री सिंह ने कहा कि शहडोल संसदीय क्षेत्र खेल प्रतिभाओं से धनी है, खेल प्रतिभाओं को निखारने के लिए सांसद खेल महोत्सव के तहत निरंतर खिलाड़ियों को मंच प्रदान किये जा रहें है। उन्होंने कहा कि सांसद खेल महोत्सव का उद्देश्य स्थानीय खेलों को प्रोत्साहित करना है। सांसद ने कहा कि आधुनिक युग में शिक्षा के साथ-साथ खेलो का आयोजन आवश्यक है। खेल खेलने से शारीरिक, मानसिक एवं बौद्धिक क्षमता का विकास होता है। उन्होंने कहा कि खिलाड़ी, खेल प्रतियोगिताओं में खेल की भावना से खेले और उत्कृष्ट प्रदर्शन कर अपने क्षेत्र, माता-पिता का नाम, प्रदेश का नाम रोशन करें। उन्होंने कहा कि खेल महोत्सव में अधिक से अधिक खिलाड़ियों का पंजीयन भी कराए। सांसद ने लाठी प्रतियोगिता एवं कबड्डी प्रतियोगिता के खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उनका उत्साह वर्धन किया एवं उत्कृष्ट प्रदर्शन हेतु शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम में सांसद श्रीमती हिमाद्री सिंह ने लाठी प्रदर्शन, बालक एवं बालिका वर्ग की कबड्डी प्रतियोगिता के प्रतिभागियों को शील्ड एवं मेंडल प्रदान कर सम्मानित किया। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती प्रभा मिश्रा, सदस्य जिला योजना समिति श्रीमती अमिता चपरा, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष प्रकाश जगवानी, पार्षद सिल्लू रजक, समाजसेवी लक्ष्मण गुप्ता, संतोष लोहानी, समन्वयक खेल एवं युवा कल्याण विभाग अजय कुमार सोंधिया, पुष्पराज सिंह, गोपाल रत्नम, राकेश त्रिपाठी सहित अन्य गणमान्य नागरिक एवं संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। सांसद खेल महोत्सव 21 सितंबर से 25 दिसंबर तक आयोजित किया जा रहा है। सांसद खेल महोत्सव में कबड्डी, फुटबॉल, क्रिकेट, दौड़, लाठी सहित अन्य खेल प्रतियोगिताएं शामिल की गई है।

झर्रा टिकुरिया में देर रात पटाखा फोड़ने को लेकर हुआ हिंसक विवाद

दो पक्षों के बीच हिंसक झड़प, चले लाठी डंडे आधा दर्जन हुए घायल, एक की हालत गंभीर

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

रंगनाथ थाना क्षेत्र स्थित झर्रा टिकुरिया मोहल्ले में मंगलवार रात करीब 11 बजे पटाखा फोड़ने को लेकर दो पक्षों में विवाद हो गया। यह विवाद जल्द ही हिंसक झड़प में बदल गया, जिसमें लाठी-डंडे चले। इस घटना में छह लोग घायल हो गए, जिन्हें जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घायलों में एक युवक की हालत गंभीर बताई जा रही है। पुलिस ने दोनों पक्षों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार, विवाद तब शुरू हुआ, जब गोकुल पासी नामक युवक अपने घर के सामने तेज आवाज वाले पटाखे फोड़ रहा था। इसी बात को लेकर दूसरे पक्ष के विजय पासी और उनके परिवार के सदस्यों से उसकी कहासुनी हो गई। यह मामूली कहासुनी देखते ही देखते बड़े विवाद में बदल गई और दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया। इस हिंसक झड़प में दोनों ही पक्षों के लोग घायल हुए हैं।

एक पक्ष से गोकुल पासी, राजकुमार पासी और अरविंद पासी को चोटें आई हैं। दूसरे पक्ष से विजय पासी, अंकित पासी और अजय पासी घायल हुए हैं। सभी घायलों को तत्काल इलाज के लिए जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज जारी है। घायलों में गोकुल पासी की हालत गंभीर बताई जा रही है।

रंगनाथ थाना प्रभारी अनूप सिंह ने बताया कि पटाखा फोड़ने को लेकर हुए विवाद में छह लोग घायल हुए हैं। उन्होंने यह भी बताया कि दोनों ही पक्षों की ओर से शिकायतें प्राप्त होने के बाद पुलिस ने एक-दूसरे के खिलाफ मामले दर्ज कर लिए हैं और घटना की विस्तृत जांच की जा रही है।

फर्नीचर दुकान में लगी भीषण आग से लाखों का नुकसान

माधव नगर इलाके में फर्नीचर गोदाम में भीषण आग लग गई। आग का कारण शॉर्ट सर्किट को बताया जा रहा है। इस घटना में लाखों रुपए का फर्नीचर जलकर खाक हो गया, हालांकि कोई जनहानि नहीं हुई। यह घटना डर्बी होटल के पास स्थित शिवा इंटरप्राइजेज के फर्नीचर गोदाम में रात करीब 10 बजे हुई। आग की लपटें इतनी तेज थीं कि देखते ही देखते पूरे इलाके में काले धुएं का गुबार छा गया, जिससे घनी आबादी वाले क्षेत्र में हड़कंप मच गया। आग की सूचना मिलते ही स्थानीय लोगों ने नगर निगम और फायर ब्रिगेड को सूचित किया। दमकल विभाग की टीमें तत्काल मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने का काम शुरू किया। आग इतनी भीषण थी कि नगर निगम की चार दमकल गाड़ियों और फायर ब्रिगेड की टीम को इस पर काबू पाने के लिए लगभग पांच घंटे तक कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। आग से लाखो रूपए के नुकसान की आशंका जताई गई है।

रेलवे ट्रैक पर पड़ी मिली युवक की लाश

परिजनों ने कहा दो दिन पहले हुआ था विवाद

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

बड़वारा थाना क्षेत्र के पथवारी ग्राम के पास बिलासपुर-कटनी रेलवे ट्रैक पर मंगलवार-बुधवार की दरमियानी रात एक 20 वर्षीय युवक का क्षत-विक्षत शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। शव का सिर धड़ से अलग पाया गया, जिससे घटना की सूचना मिलते ही आसपास के ग्रामीणों में दहशत का माहौल बन गया।सबसे पहले रेलवे कर्मचारियों ने ट्रैक पर शव देखकर तत्काल बड़वारा थाना पुलिस को सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची और पंचनामा कार्रवाई कर शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू की।मृतक की पहचान ग्राम खरहटा निवासी शनि बर्मन (20 वर्ष) पुत्र गोरेलाल बर्मन के रूप में हुई है। परिजनों ने बताया कि मंगलवार शाम को शनि का रामदीन बर्मन और भगवान दास बर्मन से किसी बात को लेकर विवाद हुआ था। विवाद के बाद शनि घर से निकला और फिर वापस नहीं लौटा।मृतक के पिता गोरेलाल बर्मन ने पुलिस से मामले की निष्पक्ष और गहन जांच की मांग की है। उन्होंने आशंका जताई कि बेटे की मौत के पीछे कोई साजिश हो सकती है।

जानकारी के अनुसार शनि ने फिटर ट्रेड से आईटीआई की पढ़ाई पूरी की थी। वह घर पर खेती-किसानी में मदद करता था और शाम को एक छोटा होटल भी चलाता था। थाना प्रभारी के.के. पटेल ने बताया कि प्रारंभिक जांच में मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है, लेकिन पुलिस जांच कर रही है।

बड़वारा पुलिस ने अलग अलग स्थानों में की कार्यवाही

चार जुआ फड़ों में दबिश, 18 जुआरियों को पकड़ा, 10170 रूपए नकदी जब्त

हरिभूमि न्यूज ⏭ बड़वारा

बड़वारा पुलिस ने अलग अलग स्थानों में चल रहे जुआफड़ों में दबिश देकर जुआ खेल रहे 18 जुआरियों को गिरफ्तार किया है। जुआरियों के पास से बड़ी मात्रा में नकद रूपए भी जब्त किये गए हैं। थाना प्रभारी केके पटैल ने बताया कि पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा के व्दारा जुआ खेलने वालो के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही हेतु निर्देशित किया गया था जिसके पालन में मुखबिर तंत्र सक्रिय किया गया था।

मंगलवार को थाना प्रभारी उनि केके पटेल हमराह स्टाफ के द्वारा इलाका भ्रमण के दौरान ग्राम नैगवां, झिंझरी एवं भुडसा में 02 स्थानो पर में जुआ फड़ों में जुआ खेल रहे व्यक्तियों को पकड़ा गया। पकड़े गए जुआरियों में संदीप केवट पिता मन्जूलाल केवट 28, संजय सिंह पिता गुलाब सिंह 29, 3 राजेश सिंह पिता नत्थू सिंह 28, प्रमोद केवट पिता मन्जूलाल केवट 24 सभी निवासी ग्राम नैगवां, राहुल चौधरी पिता राजेन्द्र चौधरी 26 वर्ष निवासी ग्राम लखाखेरा, 6 कमलेश पटेल पिता भारत लाल पटेल 38, 7 अनुज पटेल पिता सिवप्रसाद पटेल 35, 8 चन्नी भुमिया पिता सुजर्सन भुमिया 27, 9 जतिन कोल पिता संतोष कुमार कोल 23, 10 आकाश कोल पिता अशोक कोल 21 सभी निवासी झिँझरी, 11. शैलेन्द्र कुमार पाटकार पिता स्व लल्ली पाटकार 44 निवासी मझौली, 12. मोहन कोल पिता चन्दू कोल 32 निवासी भुड़सा, 13. कोदूलाल गुप्ता पिता सुंदरलाल गुप्ता 50 निवासी भुड़सा, 14. शेख चांद मुसलमान पिता कयामत मुसलमान 42 निवासी : भुड़सा, 15. अजय सिंह पिता संग्राम सिंह 40 निवासी : भुड़सा, 16. गुलाब जोगी पिता करोनी जोगी 30 निवासी भुड़सा, 17. मो हनीफ पिता खुदा बक्श 50 निवासी भुड़सा, 18. किशन पाटकर पिता संतोष पाटकर 23 निवासी शामिल हैं।

मौके पर जुआरियों की तलासी ली गई एवं फड़ से कुल 10,170/- रुपये जप्त किये गये । आरोपीगणों के विरुद्ध धारा 13 जुआ एक्ट के तहत कार्यवाही की गई । कार्यवाही में थाना प्रभारी केके पटेल, सउनि महेश प्रताप सिंह, सतेन्द्र सिंह, प्रधान आरक्षक पवनराज, आरक्षक गौरीशंकर राजपूत, बृजलाल प्रजापति, शिव प्रकाश तिवारी, दीपक सिंह की भूमिका रही

खबर संक्षेप

कलेक्टर हर्षल पंचोली की संवेदनशीलता से शिक्षक को मिली बड़ी राहत

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। कलेक्टर हर्षल पंचोली की संवेदनशीलता तब देखने को मिली जब लिवर ट्रांसप्लांट के बाद शिक्षक की परेशानी समझ कर, शिक्षक के निवेदन पर उन्होंने उसका स्थानांतरण जिला मुख्यालय मे कर दिया। ताकि वह पैदल घर से विद्यालय आना जाना कर सकें। शिक्षक ब्रजेश नाथ मिश्रा नान अल्कोहलिक लिवर प्राब्लम से परेशानी मे थे। डाक्टर ने उनका जीवन बचाने के लिये लिवर ट्रांसप्लांट किया। ऑपरेशन सफल रहा और वह महीनों अस्पताल मे भर्ती रहने के बाद वापस अनूपपुर आए तो शिक्षकीय कार्य से मोटरसाइकिल से कॉंसा विद्यालय जाना आना करने से उन्हे बडी परेशानियों का सामना करना पड रहा था। उनके पुनः बीमार पडने की आशंका से उनके परिजन परेशान थे। ऐसे मे साहस करके श्री मिश्रा कलेक्टर हर्षल पंचोली से स्वयं मिले और अपनी पीडा और परेशानियों से उन्हें अवगत कराते हुए जिला मुख्यालय मे किसी विद्यालय मे पदस्थ करने का आवेदम किया। ताकि वह पैदल विद्यालय आना-जाना कर सकें। कलेक्टर श्री पंचोली ने स्वास्थ्य लाभ ले रहे शिक्षक की व्यथा,उनकी परेशानियों को भांपा। उन्होंने संवेदनशीलता का परिचय देते हुए ब्रजेश मिश्रा का स्थानांतरण जिला मुख्यालय स्थित कन्या विद्यालय मे कर दिया। इस आदेश से ब्रजेश मिश्रा और उनके परिवार को बडी राहत मिली है।

धरती माता बचाओ निगरानी समिति का हुआ गठन

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

कलेक्टर हर्षल पंचोली ने उर्वरक खपत की चुनौतियों का समाधान करने के लिए जिला, अनुविभाग एवं ग्राम स्तरीय धरती माता बचाओ निगरानी समिति का गठन किया है। जिला स्तरीय समिति के अध्यक्ष कलेक्टर व उपाध्यक्ष मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत होंगे। इस समिति में पुलिस अधीक्षक, उपायुक्त सहकारिता, उर्वरक कंपनी खाद संघ प्रतिनिधि, कृषि वैज्ञानिक, उप संचालक पशुपालन विभाग, महाप्रबंधक जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित, जिला विपणन अधिकारी, जिला प्रबंधक एमपी एग्रो, जिला प्रबंधक नाबार्ड को सदस्य व उप संचालक किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग को संयोजक बनाया गया है। अनुविभाग स्तरीय समिति के अध्यक्ष अनुविभागीय अधिकारी राजस्व होंगे। ग्राम स्तरीय समिति के अध्यक्ष ग्राम पंचायत सरपंच व सचिव पटवारी होंगे। समिति का कार्य किसी भी विशेष व्यक्ति या व्यक्ति समूह को उर्वरकों की अत्यधिक बिक्री, उर्वरकों के किसी भी अवैध उपयोग के साथ-साथ नकली उर्वरकों के उत्पादन वितरण पर नजर रखना, उसके कारणों का पता लगाना और गैर कृषि उपयोग सीमा पार तस्करी के लिए उर्वरकों के उपयोग की स्थिति में जिला एवं अनुविभाग अधिकारियों को सूचित करना है। समिति संतुलित उर्वरक के उपयोग के लिए प्रेरित करने हेतु रबी व खरीफ सीजन के पूर्व ग्राम पंचायत स्तर पर मासिक रूप से ओपन मीटिंग का आयोजन करेगी। ग्राम समितियों के माध्यम से 100 ऐसे ग्रामों का चयन किया जाएगा, जो अत्यधिक उर्वरक का उपयोग कर रहे हैं। साथ ही कृषि विज्ञान केन्द्र के वैज्ञानिकों को ग्राम स्तर की बैठक में शामिल किया जाकर संतुलित उर्वरक उपयोग को बढ़ावा देने हेतु जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

श्रमिकों की आयु गणना के लिये नवीन निर्देश

अनूपपुर। मुख्यमंत्री जन कल्याण संबल योजना अंतर्गत श्रमिक की आयु गणना के लिये श्रम विभाग द्वारा नवीन निर्देश जारी किये गये हैं। अब आयु गणना के लिये "आधार कार्ड के आधार पर" शब्द विलोपित किया गया है। आयु के प्रमाण के लिये परीक्षा लेने वाले बोर्ड या विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान किया गया प्रमाण पत्र या अंकसूची या उस अंतिम विद्यालय द्वारा, जिसमें उसने अध्ययन किया, जारी किया गया विद्यालय छोड़ने का प्रमाण पत्र मान्य होगा। इसी तरह जन्म तथा मृत्यु के रजिस्ट्रार से प्रमाण पत्र एवं ग्राम पंचायत या मुख्य नगरपालिका अधिकारी से प्रमाण पत्र मान्य होगा। उपरोक्त प्रमाण-पत्रों के न होने पर उस चिकित्सा अधिकारी का प्रमाण पत्र, जो शासकीय सेवा में सहायक शल्य चिकित्सक की पदश्रेणी से निम्न पद श्रेणी का न हो का प्रमाण पत्र मान्य होगा।

शहर में घुल रहा रेडिऐशन का मीठा जहर

टावरों के अंबार ने बढ़ाई मुसीबत

भविष्य में भुगतने पड़ सकते हैं घातक परिणाम

आधुनिक युग में वैज्ञानिक अविष्कारों ने मानव को चमत्कारिक सुविधायें प्रदान की है जिनका उपयोग कठिन से कठिन कार्यो को भी सहज बना देता है।

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

यह विज्ञान के क्षेत्र में हुई प्रगति का ही परिणाम है कि हम हजारों मील दूर के व्यक्ति से पल भर में संपर्क साध कर यूं बातें कर लेते है जैसे वह हमारे सामने ही बैठा हो। मानव रचित ये सुविधायें अनियंत्रित और बेतहाशा उपयोग के कारण स्वयं मानव के लिये खतरा बनती जा रही है। संचार क्रांति में दुनिया को रेडियों, टेलीवीजन और मोबाइल जैसी अत्याधुनिक सुविधाएं तो प्रदान की है परंतु इसके साथ वातावरण में तरंगों के विकरण का जहर घोल दिया है जो मानव को धीमी मौत दे रही है।

मोबाइल कंपनियों के प्रतिस्पर्धा के कारण नगरों में बढ़ी टावरों की संख्या और उससे निकलने वाली तरगें ना सिर्फ मनुष्य को शारीरिक और मानसिक रूप से कमजोर बना रही है बल्कि इनसे पर्यावरण को भी भंयकर खतरा उत्पन्न हो गया है। यदि विकराल होती इस समस्या को शीघ्र ही नियंत्रित नही किया गया तो आने वाले समय में इसके घातक परिणाम भुगतने पड़ सकते है। मोबाइल टावरों से निकलने वाली तरंगें जिन्हें न देख पाने के साथ ही हम इस बात की कल्पना भी नही कर सकते की वे हमारे लिए कितनी घातक हो सकती है, वैज्ञानिक तथा पर्यावरणविद के मुताबिक दूर संचार, टेलीवीजन, ट्रांसमिशन एवं मोबाइल नेटवर्क के कारण वातावरण में इलेक्ट्रो मैग्नेटिक रेडियेशन तेजी से फैल रहा है। चिंताजनक पहलू यह है कि जिला मुख्यालय में ही नही गांवों में भी गली और मोहल्लों में टावरों का मकड़जाल फैलता जा रहा है और इनकी कोई मानक सीमा तय नही की जाती है। नेटवर्क क्षमता बढ़ाने के उद्देश्य ये ये कंपनियां लोगो के स्वास्थ्य से सरोकार न रख मनमाने अंदाज में टावर स्थापित कर रही है और स्थानीय प्रशासन उन्हें पूरी शह दे रहा है। यहां तक कि कंपनियों के प्रलोभन में फंसकर कई लोग अपने मकान की छतों पर भी मोबाइल टावर स्थापित करने में गुरेज नही करते, जबकि इन टावरों से निकलने वाले तरंगों से समीपस्थ रहने वाले लोग ही सबसे अधिक प्रभावित होते है।

अधिक मुनाफा कमाने के लिए सेहत से कर रहे खिलवाड़

मिलावटी दालों का चल रहा कारोबार

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

मिलावटी दाल बिक्री के मामले में अब अनूपपुर जिले की भी गिनती होने लगी है। जहां रेट के अनुसार हर तरह की दाल उपलब्ध हो जाएगी। सूत्रो से मिली जानकारी के अनुसार शहर की कुछ व्यापारियों के गोदामों में भी बड़ी मात्रा में ये मिलावटी दाल भरी हुई है। व्यापारियों द्वारा स्थानीय व्यापारियों को बताया जा रहा है कि वर्तमान कीमत की दाल को सस्ते में वे उपलब्ध करा सकते हैं। कुछ मिलों में तेवड़ा व मटर की पॉलिश की हुई दाल असली चना व राहर की दाल में एक मात्रा के अनुसार मिलाकर भेज दी जाती है। इसके सेवन से नुकसान भी होते हैं। बढ़ती महंगाई का असर लोगों की जेबों पर तो पड़ ही रहा है, लेकिन अब स्वास्थ्य पर भी पड़ने की संभावना बढ़ती जा रही है। दालों की कीमतें आसमान को छूने के बाद इसमें सस्ती दालों की मिलावट होने लगी है। चना व अरहर की दाल में तेवड़ा और मटर की दाल की मिलावट की जा रही है। तेवड़ा दाल को स्वास्थ्य के लिए खतरनाक माना गया है। तेवड़ा की दाल देश के कई राज्यों में खाने के रूप में बिक्री करने के लिए प्रतिबंधित है। ज्यादा मुनाफा कमाने और प्रतिस्पर्धा के कारण कुछ व्यापारी अरहर की दाल में तेवड़ा की दाल की मिलावट कर रहे हैं।

खाद्य विभाग ने साधा मौन

चना व अरहर की दाल में तेवड़ा की दाल के अलावा बटरी की दाल की भी मिलावट की जा रही है। अरहर में तेवड़ा की मिलावट कोई नई बात नहीं है, लेकिन अब यह धंधा इन दिनों चरम पर है। तवड़ा की दाल प्रतिबंधित होने के बाद भी इसकी आवक की जा रही है फर्क सिर्फ इतना है कि इसे पशु आहार के रुपए में विक्रय किया जाता है, लेकिन कुछ दुकानदार इसे खाने वाली दाल, नमकीन और बेसन में मिक्स करके बेच रहे है। महंगाई के बीच शहर में मिलावटी दालें खुले आम बेची जा रही हैं। लेकिन खाद्य विभाग अब भी अनजान बना हुआ है। यह दाल वाहनों में चोरी-छिपे परच्यून के बीच आ रही है। लेकिन खाद्य विभाग के अधिकारी इन लोगों पर कार्रवाई करने की जगह उन्ही की दुकानो मे बैठकर चाय व काफी का सेवन कर अपना जुगाड़ साध रहे हैं। यदि इस क्षेत्र की दुकानों में औचक निरीक्षण कर छापे डाले जाएंगे तो बड़ी संख्या में ऐसे माल का स्टॉक बरामद हो जाएगा।

दो भालुओ की दस्तक से क्षेत्र में दहशत का माहौल

हरिभूमि न्यूज कोतमा।

नगर पालिका क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 12 स्थित गोविंदा कॉलोनी में 22 अक्टूबर की सुबह दो भालुओ की दस्तक से क्षेत्र में दहशत का माहौल बन गया। भालू के दिखाई देने की सूचना मिलते ही स्थानीय लोगों में अफरा-तफरी मच गई और लोग घरों में दुबक गए। वन परिक्षेत्र कोतमा के कल्याणपुर बीट अंतर्गत गोबिंदा कालोनी मे एक भालू को सुबह न्यू बी टाइप कॉलोनी और एक भालू को पुरानी डबल स्टोरी कॉलोनी में घूमते हुए देखा गया। बताया जा रहा है कि भालू शिकार या भोजन की तलाश में रिहायशी क्षेत्र में पहुंच गया था। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि वह कुछ देर बाद गोविंदा नर्सरी के आसपास भी घूमता नजर आया।स्थानीय निवासियों ने तुरंत भालू के कालोनी मे होने की जानकारी वन विभाग को दी। सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और भालू की खोज व पकड़ने की कार्यवाही शुरू कर दी है। फिलहाल टीम कोतमा और आसपास के क्षेत्रों में तलाशी अभियान चला रही है। कालोनी एवं आसपास के लोगों में भालू के दस्तक के बाद भय का माहौल है। वन विभाग एवं प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि शाम के समय घरों से बाहर न निकलें और अंधेरे या सुनसान इलाकों में जाने से बचे। वन विभाग ने कहा है कि जब तक भालू को पकड़ा नहीं जाता, तब तक नागरिक विशेष रूप से बच्चों और बुजुर्गों को गोविंदा नर्सरी व जंगल क्षेत्र से दूर रखें। वन विभाग की टीम ने आश्वासन दिया है कि जल्द ही स्थिति पर नियंत्रण पा लिया जाएगा और भालू को सुरक्षित रूप से वन क्षेत्र में वापस भेज दिया जाएगा।

कलेक्टर ने जारी किए नवीन कार्य विभाजन के आदेश

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी हर्षल पंचोली ने जिले में पदस्थ भारतीय प्रशासनिक सेवा एवं राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों के मध्य पूर्व में जारी कार्य विभाजन आदेश को संशोधित कर नवीन कार्य विभाजन आदेश जारी किए हैं। जारी आदेश के अनुसार कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी हर्षल पंचोली म.प्र. भू-राजस्व संहिता, 1959 की धारा 60, 161, 165 (6) एवं 237 की मूल क्षेत्राधिकारिता, भूमि विक्रय अनुमति के सभी प्रकरण, म.प्र. भू-राजस्व संहिता, 1959 के अन्तर्गत अपील पुनरीक्षण का प्रत्येक 10 वॉ प्रकरण, राजस्व पुस्तक परिपत्र के अन्तर्गत कलेक्टर की क्षेत्राधिकारिता के सभी प्रकरण, अन्य विधि, अधिनियम एवं नियमों के तहत कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी में वेस्टित शक्तियों के अन्तर्गत प्रकरण तथा म.प्र. कृषिक जोत उच्चतम सीमा अधिनियम 1960 के अंतर्गत जिले के सभी तहसीलों के प्रकरणों का निराकरण करेंगे। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी हर्षल पंचोली दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 संशोधित भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) 2023 में जिला दण्डाधिकारी की क्षेत्राधिकारिता के सभी प्रकरण, राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम, 1980 के सभी प्रकरण, म.प्र. सुरक्षा अधिनियम, 1980 के सभी प्रकरण, आवश्यक वस्तु अधिनियम के सभी प्रकरण, विनिर्दिष्ट भ्रष्ट आचरण निवारण अधिनियम के सभी प्रकरण का निराकरण करेंगे तथा शस्त्र अधिनियम तथा विस्फोटक पदार्थ अधिनियम के सभी प्रकरणों में अभियोजन की स्वीकृति प्रदान करेंगे। जिला निर्वाचन अधिकारी, भारत निर्वाचन तथा जिला निर्वाचन अधिकारी, स्थानीय निर्वाचन का दायित्व संभालेंगे। अनुविभाग अंतर्गत सिनेमा, वीडियो, विस्फोटक, शस्त्र, खाद, खनिज एवं शिकायत आदि के प्रकरणों में जांच की कार्यवाही, चिकित्सालय एवं स्वास्थ्य केन्द्रों का निरीक्षण, अन्य विधि अधिनियम एवं नियमों के तहत अनुविभागीय अधिकारी दण्डाधिकारी में वेस्टित शक्तियों के अंतर्गत प्रकरणों का निराकरण एवं अनुविभाग स्तरीय फोरम एवं समितियों में अध्यक्षता करेंगे। साथ ही कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी द्वारा समय-समय पर सौंपे गये अन्य कार्य भी करना सुनिश्चित करेंगे।

8 सूत्रीय मांगों को लेकर सीआईटीयू की अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

जनपद पंचायत जैतहरी के अंतर्गत ग्राम पंचायत खूंटाटोला में श्रमिकों की 8 सूत्रीय न्यायसंगत मांगों को लेकर सीआईटीयू (सेंटर ऑफ इंडियन ट्रेड यूनियन्स) द्वारा अनिश्चितकालीन क्रमिक भूख हड़ताल जारी है। हाट बाजार खूंटाटोला में चल रहा यह श्रमिक आंदोलन दिन-प्रतिदिन व्यापक जनसमर्थन प्राप्त कर रहा है। आंदोलन स्थल पर गुरुवार को अखिल भारतीय किसान सभा के राष्ट्रीय सचिव कामरेड बादल सरोज एवं किसान सभा मध्यप्रदेश राज्य समिति विशेष रूप से उपस्थित हुए। इस दौरान मध्यप्रदेश किसान सभा जिला समिति अनूपपुर के अध्यक्ष कामरेड जुगल किशोर राठौर सहित जिले के कई किसान व श्रमिक संगठन पदाधिकारी मौजूद रहे। सभा को संबोधित करते हुए कामरेड बादल सरोज ने कहा कि श्रमिकों की ये 8 सूत्रीय मांगें पूरी तरह न्यायसंगत हैं। सरकार को तुरंत इन पर निर्णय लेकर श्रमिकों की समस्याओं का समाधान करना चाहिए। जब तक श्रमिकों को उनका हक नहीं मिलेगा, तब तक संघर्ष जारी रहेगा। कामरेड ने अपने संबोधन में कहा कि किसान और मजदूर दोनों देश की रीढ़ हैं। खूंटाटोला का यह आंदोलन आने वाले समय में पूरे प्रदेश में श्रमिक चेतना का प्रतीक बनेगा। सरकार को जनता की आवाज़ सुननी चाहिए और मजदूरों के पक्ष में निर्णय लेना चाहिए। वहीं कामरेड जुगल किशोर राठौर, अध्यक्ष, मध्यप्रदेश किसान सभा जिला समिति अनूपपुर ने कहा कि "यह भूख हड़ताल श्रमिकों के सम्मान और अधिकार की लड़ाई है। जब तक मांगें पूरी नहीं होतीं, तब तक दोनों संगठन श्रमिकों के साथ डटे रहेंगे। सभा में बड़ी संख्या में महिला एवं पुरुष श्रमिक, किसान और ग्रामीणजन उपस्थित रहे। वक्ताओं ने कहा कि यदि प्रशासन जल्द सुनवाई नहीं करता तो आंदोलन को जिला मुख्यालय तक विस्तारित किया जाएगा। सभा के अंत में दीपावली के अवसर पर सभी श्रमिकों को शुभकामनाएँ दी गईं। नेताओं ने कहा कि "संघर्ष की यह ज्योति दीपावली के दीपों की तरह श्रमिकों के जीवन में नया उजाला लाएगी।

मां मनोकामना को भीगी आंखों से विदाई उत्साह व उमंग के साथ की गई पूजा अर्चना

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

मां मनोकामना की स्थापना 19 अक्टूबर को राम जानकी मंदिर के पास बड़े ही उत्साह एवं उमंग के साथ की गई। प्रतिदिन पूजा, अर्चना के साथ धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन हुआ। 22 अक्टूबर को भींगी आंखों से मां मनोकामना को विदाई दी गई। मां मनोकामना की झांकी पूरे शहर में भ्रमण कर श्री दुर्गा मंदिर मढ़िया प्रांगण में स्थित तालाब में विदाई दी गई। मां मनोकामना के भक्त शुभम ठाकुर ने बताया कि निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार कार्यक्रम आयोजित किए गए। जिसमें प्रमुख रूप से 19 अक्टूबर दिन रविवार बाजे गाजे के साथ मां का भव्य आगमन राम जानकी मंदिर अनूपपुर वार्ड क्रमांक 4 समय शाम 4 बजे हुआ। 20 अक्टूबर दिन सोमवार मां काली की विशेष पूजा अर्चना एवं हवन रात्रि 12 बजे से प्रातः तक किया गया। 21 अक्टूबर दिन मंगलवार भव्य कन्या पूजन एवं विशाल भंडारा दोपहर 12 बजे से आयोजित किया गया एवं शाम 7 बजे अनूपपुर की भव्य एवं दिव्य प्रसिद्ध महा आरती एवं महाप्रसादी वितरण का कार्यक्रम किया गया। 56 भोग एवं भक्ति एवं ममता मयी भजनों के साथ मां की आराधना एवं देवी जागरण का कार्यक्रम आयोजित हुआ। जिसमें काफी संख्या में लोगों ने भाग लिया। 22 अक्टूबर प्रातः सिंदूर रश्म के पश्चात शाम 4.00 बजे मां मनोकामना की झांकी पूरे शहर में भ्रमण की एवं भींगी आंखों से विदाई दी गई।

लोकतंत्र सेनानी मूलचंद अग्रवाल ने जन्मदिन पर वृद्ध आश्रम एवं जिला चिकित्सालय में किया फल वितरण

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। जन्मदिन मनाने के अपने-अपने तरीके होते हैं। कई लोग होटल में जाकर मानते हैं, तो कई लोग वृद्धाश्रम, जिला चिकित्सालय में भर्ती मरीजों के मध्य जाकर मनाते हैं। उसी क्रम में अनूपपुर के वरिष्ठ भाजपा नेता 80 वर्षीय लोकतंत्र सेनानी मूलचंद अग्रवाल ने अपना जन्मदिन वृद्धाश्रम एवं जिला चिकित्सालय अनूपपुर में जाकर मनाया। इस अवसर पर उनके परिवार के सदस्य भी साथ-साथ थे। उन्होंने अपने हाथों से वृद्धाश्रम में रह रहे सभी बुजुर्गों को अपने हाथों से फल फ्रूट दिया। उनके साथ बैठकर उनके हाल-चाल जाना। इसी प्रकार जिला चिकित्सालय अनूपपुर में जाकर भर्ती मरीजों को अपने हाथों से फल फ्रूट दिया। उनके साथ उपस्थित समस्त लोगों को भी फल फ्रूट दिया। साथ ही जिला चिकित्सालय में उपस्थित सेवारत सभी लोगों को भी फल फ्रूट देकर एवं साथ ही मरीजों का हाल-चाल जाना उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की।

हाथ में खड्ग और खप्पर लेकर निकलीं मां काली

बाजे-गाजे के साथ देवी भक्तों ने मां काली को दी विदाई

हरिभूमि न्यूज कोतमा। नगर में दीपावली की रात पंडाल सजाकर पांच स्थानों पर मां काली की प्रतिमा विराजमान कर विधि विधान से पूजा अर्चना की गई। बुधवार को मां काली का विसर्जन जुलूस निकाला गया जो नगर के विभिन्न गलियों से होता हुआ गोहंड्रा स्थित बांध में विसर्जित किया गया। नगर के गुरुद्वारा रोड, पुरानी बस्ती, पीपल चौक, अटल चौपाटी, शिशु भारती, स्कूल के पास एवं गोबिंदा कालोनी मे मां काली की प्रतिमा विराजमान की गई थी।